
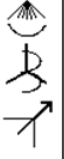


# Sri – Om

## VEDIC MATHEMATICS AWARENESS YEAR

E-Newsletter Issue no 145 dated 28-03-2015

For previous issues and further more information visit at [www.vedicganita.org](http://www.vedicganita.org)

		<p>ॐ । गायत्री छन्द । सरसवती मंत्र । महेश्वर सूत्र । गणित सूत्र</p> <p>Om Gyatri Chand, Saraswati Mantra, Maheshwar Sutra, Ganita Sutras</p>
---	---	--

<b>वैदिक गणित</b> (सूर्य रश्मियो का गणित)	<b>Vedic Mathematics</b> (Sunlight format Mathematics)
<p>I. देवनागरी वर्णमाला II. जड़ भरत III. वर्णों की उत्पत्ति IV. पंचीकरण V. ज्योति व्यूह अंक VI. आ ब्रह्म भुवन लोक VII बीज अक्षर VIII श्री ॐ IX देवनागरी लिपि</p> <p style="text-align: center;">X रेफ</p> <p>देवनागरी के स्वर व व्यंजन 'रेफ' के अतिरिक्त 'कारः' गुण विशेषण सहित उच्चारित होते हैं। जैसे कि 'अ' स्वर का उच्चारण स्वरूप 'अकारः' है। इसी तरह से 'इकारः', 'उकारः' तथा 'ककारः', 'खकारः' सभी स्वर व्यंजन 'रेफ' के अतिरिक्त इन्हीं उच्चारण गुण विशेषणों वाले हैं।</p> <p>'रेफः' तीन अवस्थाओं वाले हैं यानि कि</p> <p style="text-align: center;">i) ऋ (ii) ॠ (iii) ॡ</p>	<p>I. Devnagri alphabet II. Jad Bharat III. Creation of letters IV. 5 x 5 format V. Transcendental code value VI. Along organization format of elongated first vowel VII Seeds syllables VIII Sri Om IX Devnagri script</p> <p style="text-align: center;">X Raif (letter: second Antstha)</p> <p>Devnagri vowels and consonants (accept Raif (letter: second Antstha) are pronounced with suffix 'कारः' / <i>Karah</i>). As the first vowel 'अ' is pronounced by अकारः. Likewise second and third vowel are pronounced as 'इकारः', 'उकारः' and first and second varga consonants are pronounced as 'ककारः', 'खकारः'. Likewise are pronounced other vowels and consonants.</p> <p>The second antstha letter is of three states.</p> <p style="text-align: center;">i) ऋ (ii) ॠ (iii) ॡ</p>

यहा ये ज्ञातव्य हो कि

**क्रम, कर्म, करम,**

हमे प्रयोग वा अर्थ सहित हमे रेफ की तीनो अवस्थाओ की जानकारी देते है।

ये ज्ञातव्य हो कि

**‘क, त्र, प्र’**

प्रथम रेफ आवस्था के तीन स्तरो पर उपयोग इस प्रथम आवस्था वाले रेफ के गुण विशेषणो बारे जानकारी देते है।

‘रेफ’ शब्द वा ‘रेफः’ कारक स्वरूप की ज्योतिव्यूह अंकमूल्य ‘१६’ वा ‘१६+१३’ हमे वैदिक गणित के सूत्रो वा सूत्रो की उपसूत्रो सहित व्यवस्था के समांतर ला खड़ा करता है।

यहा ये भी ज्ञातव्य है कि रेफ शब्द के ज्योतिव्यूह अंक मूल्य ‘१६’, रेफ शब्द के दो अक्षरो यानि कि ‘रे’ वा ‘फ’ ‘६ वा ७’ की व्यवस्था हमे गणित सूत्र १ ‘एकाधिकेन पूर्वेण’ की व्यवस्था के समान्तर ला खड़ा करता है। यहा ये भी ज्ञातव्य हो कि वैदिक गणित सूत्र १ दो पदो वाली ‘१’ एकाधिकेन ‘२’ पूर्वेण’ व्यवस्था है। ‘एकाधिकेन’ नो वर्णो वाली व्यवस्था है तथा पूर्वेण सात वर्णो वाली व्यवस्था है।

यहा ये भी ज्ञातव्य हो कि ‘एकाधिकेन’ के नो वर्णो की व्यवस्था दो अवस्थाओ वाली है। यानि कि ‘१’ एकाधिके वा ‘२’ ‘न’ जो कि ७ वा २ वर्णो वाली व्यवस्थाये है

Here it also would be relevant to note that

**क्रम, कर्म, करम,**

Above three word formulation inform us about the use, applications and meanings of above three states values of second antstha letter.

It also would be relevant to know that

**‘क, त्र, प्र’**

That above syllables use in respect of the first state of second antsha letter will give us more insight and comprehension about this state value and applications of it.

Transcendental code values of word formulations ‘रेफ’ ‘रेफः’ come to be TCV (रेफ)= 16 and TCV (रेफः)= 16 + 13 = 29 which goes parallel to there been 16 Ganita Sutras and 16+ 13 = 29 being Ganita Sutras and Ganita Upsutras.

It also would be relevant to note that TCV (रेफ)= 16 = 9 + 7 which is further parallel to the organization arrangement of the text of Ganita Sutra 1 ‘एकाधिकेन पूर्वेण’, a set up being of 9 letters compositions (एकाधिकेन) and 7 letters composition (पूर्वेण).

Here it also would be relevant to note that the formulation ‘एकाधिकेन’ is of two parts namely ‘एकाधिके’ and ‘न’ which are the formulations of seven letters and two letters respectively.

इनमे से 'रे' अक्षर के दो भाग यानि कि 'रू' तथा 'ए' तथा इन दोनो के मूल्यो का योग  $३ + ६$  दो वर्णो के अक्षर 'न् + अ' =  $८ + १ = ९$  मूल्य के समान्तर है।

इस तरह से वैदिक गणित सूत्रो व उपसूत्रो का वैदिक आधार का अन्वेषण यहा देवनागरी वर्णमाला से ही प्रारम्भ करके हमे वैदिक विद्या क्षेत्र तक पहुंचा देगा।

\*

Of this, the first syllable 'रे' which is a composition of two letters and is of transcendental code value 9 is parallel to the transcendental code value of the syllable 'न', which also is a set up of two letters which summation value of their transcendental code value being 9.

Like that the search and chase of Vedic basis of Vedic Ganita Sutras is to begins with the organization of Devnagri alphabet it self and the search and chase so initiated will lead us to the Vedic knowledge domain.

\*